उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों का विश्लेषण

रीटा अरोड़ा *

श्वेता गुप्ता **

आज का विद्यार्थी भारत की प्राचीन संस्कृति तथा मूल्यों में अपनी आस्था खोता जा रहा है। अधीर, उग्र व स्वच्छंदता में विश्वास रखने वाले विद्यार्थी का ध्यान साधन व साध्यों की शुद्धि से हट गया है। ऐसी स्थिति में बालक में मानवीय मूल्यों का विकास कर उसे राष्ट्र का सुयोग्य नागरिक बनाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* के अनुसार सामाजिक विज्ञान की विषय-वस्तु समतामूलक और शांतिमूलक समाज का ज्ञान आधार तैयार करने की दिशा में अपरिहार्य है। इसकी विषय-वस्तु का लक्ष्य सामाजिक सच्चाई की समीक्षात्मक जाँच कर विद्यार्थियों में आलोचनात्मक जागरूकता का संवर्धन करना है। मूल्य स्थापना का उचित समय बाल्यकाल एवं किशोरावस्था है। इस समय विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन का विकास होता है। विषय-वस्तु विश्लेषण हेतु राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उच्च प्राथमिक स्तर की कक्षा 6, 7 व 8 की पाठ्यपुस्तक को लिया गया। विषय-वस्तु विश्लेषण हेतु *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* में प्रस्तावित मूल्यों के आधार पर मूल्य सूची का निर्माण किया गया। प्रस्तुत शोध पत्र सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों का मूल्योन्मुख विश्लेषण करता है।

प्रस्तावना

आज शिक्षा को लेकर सभी की सोच है कि मूल्यों का क्षरण हो रहा है। मूल्यों को पोषित करने के लिए शिक्षा एक बहुत बड़ा साधन है। वर्तमान में समाज की अन्य एजेंसियों तथा अभिकरणों को यह दायित्व कम सौंपा जा रहा है। यह दायित्व अध्यापक पाठ्यपुस्तक

* पूर्व *विभागाध्यक्ष*, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान

** *शोधार्थी*, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान

और शिक्षा को दिया जा रहा है। *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु द्वारा मूल्यों को पोषित करने की अनुशंसा करती है। सामाजिक विज्ञान की विषय-वस्तु समतामूलक और शांतिमूलक समाज का ज्ञान आधार तैयार करने की दिशा में अपरिहार्य है। सामाजिक विज्ञान स्वतंत्रता, विश्वास, परस्पर सम्मान और विविधता के आदर जैसे मानवीय मूल्यों का सुदृढ़ आधार तैयार करती है। मूल्यों के सृजन में पाठ्यपुस्तक एक प्राथमिक उपकरण होती है। प्रस्तुत शोध मूल्यों के संदर्भ में सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण उपलब्ध कराता है। शोध में प्रयुक्त शब्दावली का विश्लेषण इस प्रकार है।

मूल्य

मूल्य एक ऐसी आचरण संहिता या सद्गुण है, जिसे अपने संस्कारों एवं पर्यावरण के माध्यम से अपनाकर मनुष्य अपने निश्चित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अपनी जीवन पद्धति का निर्माण करता है, अपने व्यक्तित्व का विकास करता है। इसमें मनुष्य की धारणाएँ, विचार, विश्वास, मनोवृत्ति, आस्था आदि समेकित होते हैं। ये मूल्य एक ओर व्यक्ति के अंत:करण द्वारा नियंत्रित होते हैं तो दूसरी ओर संस्कृति तथा परंपरा द्वारा परिपोषित होते हैं।

पाठ्यपुस्तक

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005 में पाठ्यपुस्तकों में सामुदायिक जीवन से संबंधित ज्ञान तथा पारस्परिक कौशलों को जोड़ने की बात रखी गई है। पाठ्यपुस्तक ज्ञान का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान की खोज व निर्माण में छात्र की मदद के लिए औज़ार है। पाठ्यपुस्तक ऐसी हो जो विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों का विकास करने में सहायक हो।

विषय-वस्तु विश्लेषण

विषय-वस्तु विश्लेषण चुनी हुई लिखित सामग्री में से अनुसंधान से संबद्ध तथ्यों को प्राप्त करने की विधि है। यह क्रमबद्ध, वस्तुनिष्ठ और मात्रात्मक होती है। क्रमबद्धता का अर्थ है सामग्री का विश्लेषण स्पष्टतया परिभाषित नियमों के आधार पर ही किया जाता है। वस्तुनिष्ठता से आशय है कि उसके विश्लेषण में विश्लेषणकर्ता का योगदान यंत्रवत होता है और मात्रात्मक होने से अभिप्राय है कि इस तकनीकी से जो तथ्य प्राप्त होते हैं उनका अंकगणितीय विश्लेषण किया जा सकता है।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

टी. राजगोपाल (1989) ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की तमिल पाठ्यपुस्तक में मूल्यों की जागरूकता का अध्ययन किया उन्होंने पाया कि गद्य में विद्यार्थियों की 39.3 प्रतिशत मूल्यों के प्रति जागरूकता है तथा पद्य में 42 प्रतिशत मूल्यों के प्रति जागरूकता है। उन्होंने यह भी पाया कि सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों की मूल्यों के प्रति जागरूकता मिशनरी स्कूल से अधिक है।

भार्गवी (1990) ने पाया कि कक्षा नौ के छात्रों ने छात्राओं की अपेक्षा गद्य में ज़्यादा प्रजातांत्रिक मूल्य पहचाने। छात्राओं ने छात्रों की अपेक्षा ज़्यादा सामाजिक मूल्य को पहचाना। धार्मिक, व्यक्तिगत व सौंदर्यात्मक मूल्य दोनों में समान हैं।

ओ. एम. अवस्थी (2000) ने मूल्य-आधारित पाठ्यपुस्तक निर्माण में व्यूह रचना की चर्चा की। विद्यालय पाठ्यपुस्तक में शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा तथा मूल्य शिक्षा के साथ-साथ प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान भी सम्मिलित किया जाना चाहिए।

पी.एम. अनिल कुमार और टी.सी. आइशाबी, (2008) ने विद्यार्थियों की माध्यमिक स्तर पर अंग्रेज़ी विषय-वस्तु में मूल्यों का अध्ययन किया और पाया कि माध्यमिक स्तर पर अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक मूल्य का गहन स्रोत है।

साधना सिन्हा (2008) ने पाया कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा एवं सीबीएसई की पाठ्यपुस्तक में हिंदी, अंग्रेज़ी, संस्कृत एवं सामान्य विज्ञान की पुस्तकों में मूल्य-आधारित पाठ उपलब्ध हैं।

सोमाइया अहमद अस्बू असिवा (2010) ने फ़िलिस्टिन 12 की अंग्रेज़ी में निहित मूल्यों का विश्लेषण किया और पाया कि सांस्कृतिक मूल्य सबसे ज़्यादा निहित हैं।

मधु गुप्ता, पूजा पसरिजा और कृष्ण कुमार बंसल (2012) ने स्कूल शिक्षकों के समकालीन मूल्य ग्रहण का उनके स्थान व योजना में संबंध का अध्ययन किया और पाया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों में सौंदर्यात्मक, सामाजिक, राजनीतिक व धार्मिक मूल्यों में अंतर होता है।

समस्या कथन

उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों का विश्लेषण।

शोध के उद्देश्य

1. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों का विश्लेषण करना।
2. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्य किस सीमा तक हैं? उनका विश्लेषण करना।
3. उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक का *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* में प्रस्तावित मूल्यों के अनुसार विश्लेषण करना।

शोध का प्रारूप एवं प्रक्रिया

न्यादर्श – राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 6, 7 एवं 8 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक (2014-2015), जो कि राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा अनुमोदित है, से लिया गया है।

उपकरण – पाठ्यपुस्तक का विषय-वस्तु विश्लेषण हेतु स्वनिर्मित मूल्य सूची का निर्माण किया गया। *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* में प्रस्तावित मूल्यों के आधार पर 11 मूल्य श्रेणियों का निर्माण किया गया – प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, भ्रातृत्व, वैज्ञानिक चिंतन, पर्यावरण, जेंडर समानता, सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक, नैतिक/शांति, सामाजिक।

तथ्यों का प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण

सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों की विषय-वस्तु का अध्ययन मूल्यों के संदर्भ में किया गया जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है —

कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक में *समाज और सरकार* अध्याय में जनता की जागरूकता, सक्रियता व भागीदारी से उदयपुर में फतहसागर से जलकुंभियों की सफ़ाई कराया जाना, लोकतंत्र में जनता की भागीदारी के मूल्य को पोषित करता है। इससे विद्यार्थियों में प्रजातांत्रिक मूल्य का विकास होगा।

कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक में *कानूनों की समझ* अध्याय में *सूचना का अधिकार अधिनियम 2005* — जन आंदोलन के परिणाम द्वारा विद्यार्थी इस अधिकार की आवश्यकता एवं महत्त्व को समझ सकेंगे। इससे विद्यार्थी ये जान सकेंगे कि कमज़ोर व वंचित वर्ग कैसे सक्षम व ताकतवर बन सकता है। इससे विद्यार्थियों में न्याय के मूल्य का सृजन होगा।

कक्षा 6 अध्याय *विविधता और एकता* में संविधान द्वारा विभिन्न संप्रदायों के अनुयायियों और अलग-अलग भाषा बोलने वालों को उनकी भाषा और संवर्धन और प्रचार-प्रसार का अधिकार भी दिया है। इसके द्वारा विद्यार्थियों में स्वतंत्रता के मूल्य का पोषण होगा।

कक्षा 7 के अध्याय *लोकतंत्र में समानता* में भारतीय संविधान लोगों को समानता का अधिकार देता है। इससे विद्यार्थियों में संविधान के प्रति सम्मान-भाव का विकास होगा। उनमें व्यापक और उदार दृष्टिकोण का भाव जाग्रत होगा। इससे विद्यार्थी समानता के मूल्य को समझ सकेंगे।

कक्षा 6 *व्यापार — वाणिज्य और दूरगामी संबंध* द्वारा विद्यालयों में वसुधैव कुटुम्बकम्, आपसी-सहयोग, मित्रता, सद्भावना आदि मूल्यों का विकास होगा। यह विद्यार्थी में भ्रातृत्व मूल्य का विकास करेगा।

कक्षा 6 के *ग्लोब – पृथ्वी का प्रतिरूप* में सूर्य ग्रहण को चित्रानुसार समझाया गया है इससे विद्यार्थियों में जिज्ञासा, अवलोकन, तार्किकता, आदि का विकास होगा। यह विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन का मूल्य पोषित करेगा।

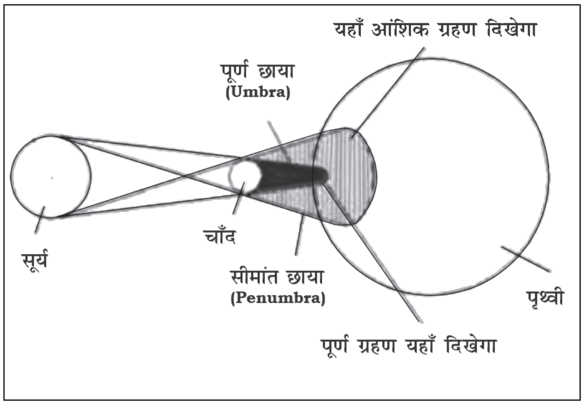

चित्र 1

चित्र 2

कक्षा 7 के अध्याय *पर्यावरण और लोक जीवन* में चित्रित पेड़ों से चिपकी गढ़वाली महिलाओं को दिखाया गया है। इससे विद्यार्थी पेड़ों के महत्त्व को समझ सकेंगे व उनमें पर्यावरण के प्रति चिंता, पर्यावरण का पोषण व संरक्षण का भाव जाग्रत होगा। अत: इस चित्र के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण का मूल्य जाग्रत होगा।

कक्षा 7 में *लोकतंत्र में समानता* अध्याय में पुरुषों के साथ आधे आकाश को थामे महिलाओं को चित्रित किया गया है। इससे विद्यार्थियों में स्त्री-पुरुष की समानता, स्त्री की महत्ता, महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रहों की समाप्ति की भावना का विकास होगा। इससे विद्यार्थियों में जेंडर समानता का भाव पोषित होगा।

कक्षा 6 के प्रारम्भिक मानव व सांस्कृतिक *विरासत* अध्याय में विभिन्न चित्रों (कालीबंगा से प्राप्त मुहर, साँची का स्तूप, अशोक स्तंभ एवं अजंता की एक गुफ़ा का प्रवेश द्वार) के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृति की समझ, चित्रकला, मूर्तिकला व स्थापत्य कला के प्रति रुचि की भावना

चित्र 3

का विकास होगा। इससे विद्यार्थियों में सांस्कृतिक व सौंदर्यात्मक मूल्य का पोषण होगा।

कक्षा 6 के *साम्राज्यों का उदय एवं विकास* अध्याय में सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध में हिंसा और रक्तपात को देखा तो उसने भविष्य में युद्ध न करने का प्रण लिया। इससे विद्यार्थियों में अहिंसा, शांति की संस्कृति, प्रेम आदि मूल्यों की भावना जागरूक होगी। इससे उनमें नैतिक/शांति का मूल्य विकसित होगा। कक्षा 7 के *जल* अध्याय में जल संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया गया है। इससे विद्यार्थी जल के महत्त्व को समझ सकेंगे। विद्यार्थी जल संरक्षण के प्रति प्रेरित होंगे, जिससे वे भविष्य में शुद्ध जल की चिंता से मुक्त हो सकेंगे। इस प्रकार वे सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक होंगे व उनमें सामाजिक मूल्य का विकास होगा।

चित्र 4

चित्र 5

चित्र 6

चित्र 7

सारणी 1

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों का विवरण

मूल्य	प्रजातांत्रिक राष्ट्र	न्याय	स्वतंत्रता	समानता	भ्रातृत्व	वैज्ञानिक चिंतन	पर्यावरण	जेंडर समानता	सांस्कृतिक/ सौंदर्यात्मक	नैतिक/ शांति	सामाजिक
कुल अध्यायों की संख्या	6	4	2	5	2	6	1	4	12	5	3

सारणी 2

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 7 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों का विवरण

मूल्य	प्रजातांत्रिक राष्ट्र	न्याय	स्वतंत्रता	समानता	भ्रातृत्व	वैज्ञानिक चिंतन	पर्यावरण	जेंडर समानता	सांस्कृतिक/ सौंदर्यात्मक	नैतिक/ शांति	सामाजिक
कुल अध्यायों की संख्या	5	3	1	3	2	5	5	3	8	6	8

सारणी 3

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों का विवरण

मूल्य	प्रजातांत्रिक राष्ट्र	न्याय	स्वतंत्रता	समानता	भ्रातृत्व	वैज्ञानिक चिंतन	पर्यावरण	जेंडर समानता	सांस्कृतिक/ सौंदर्यात्मक	नैतिक/ शांति	सामाजिक
कुल अध्यायों की संख्या	10	7	2	6	3	3	4	3	5	6	12

सारणी 4

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों की बारंबारता

क्र.सं.	मूल्य	बारंबारता	प्रतिशत
1	प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय	19	15.70%
2	न्याय	6	4.72%
3	स्वतंत्रता	2	1.57%
4	समानता	13	10.23%
5	भ्रातृत्व	3	2.36%
6	वैज्ञानिक चिंतन	27	21.26%
7	पर्यावरण	3	2.36%
8	जेंडर समानता	5	3.93%
9	सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक	35	27.56%
10	नैतिक/शांति	10	7.87%
11	सामाजिक	4	3.15%
कुल		**127**	**100.0%**

आरेख 1

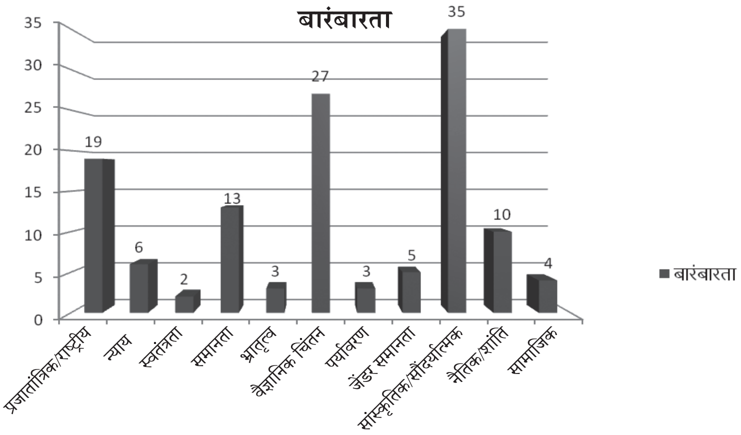

सारणी 5

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 7 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों की बारंबारता

क्र.सं.	मूल्य	बारंबारता	प्रतिशत
1	प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय	10	6.99%
2	न्याय	12	8.39%

3	स्वतंत्रता	1	0.69%
4	समानता	13	9.09%
5	भ्रातृत्व	3	2.09%
6	वैज्ञानिक चिंतन	8	5.59%
7	पर्यावरण	20	13.98%
8	जेंडर समानता	11	7.69%
9	सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक	24	16.78%
10	नैतिक/शांति	15	10.49%
11	सामाजिक	26	18.18%
कुल		**143**	**100.0%**

आरेख 2

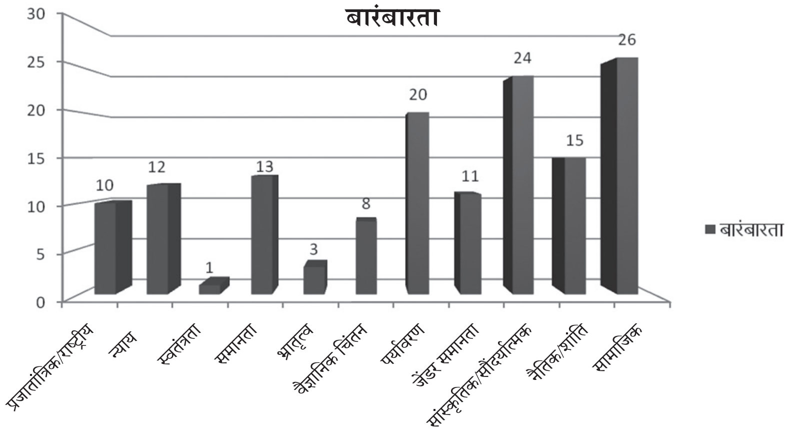

सारणी 6

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में निहित मूल्यों की बारंबारता

क्र.सं.	मूल्य	बारंबारता	प्रतिशत
1	प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय	21	16.03%
2	न्याय	30	22.90%
3	स्वतंत्रता	2	1.53%
4	समानता	8	6.10%
5	भ्रातृत्व	3	2.29%
6	वैज्ञानिक चिंतन	3	2.29%
7	पर्यावरण	11	8.39%
8	जेंडर समानता	7	5.34%

9	सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक	11	8.39%
10	नैतिक/शांति	12	9.16%
11	सामाजिक	23	16.55%
कुल		**131**	**100.0%**

आरेख 3

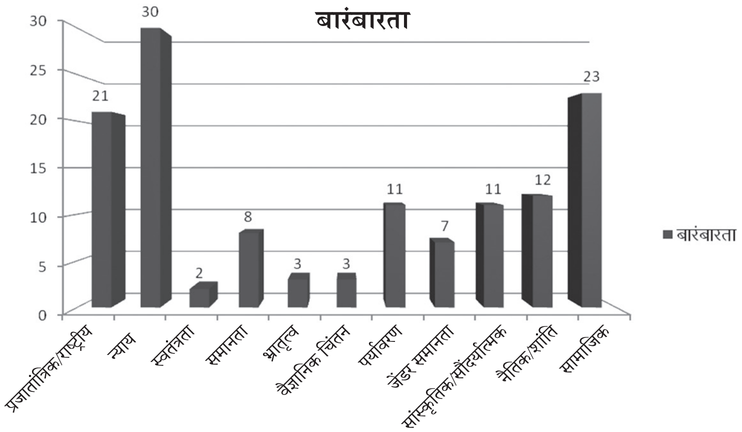

निष्कर्ष

- राजस्थान माध्यमिक बोर्ड की कक्षा 6, 7 एवं 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* में प्रस्तावित मूल्य निहित हैं।
- कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक में कुल 6 अध्यायों में प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय, 4 अध्यायों में न्याय, 2 में स्वतंत्रता, 5 में समानता, 2 में भ्रातृत्व, 6 में वैज्ञानिक चिंतन, 1 में पर्यावरण, 4 में जेंडर समानता, 12 में सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक, 5 में नैतिक/शांति एवं 3 में सामाजिक मूल्यों का समावेश है।
- कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक में कुल 5 अध्यायों में प्रजातंत्र/राष्ट्रीय, 3 अध्यायों में न्याय, 1 में स्वतंत्रता, 3 में समानता, 2 में भ्रातृत्व, 5 में वैज्ञानिक चिंतन, 5 में पर्यावरण, 3 में जेंडर समानता, 8 में सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक, 6 में नैतिक/शांति एवं 8 में सामाजिक मूल्यों का समावेश है।
- कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक में कुल 10 अध्यायों में प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय, 7 अध्यायों में न्याय, 2 में स्वतंत्रता, 6 में समानता, 3 में भ्रातृत्व, 3 में वैज्ञानिक चिंतन, 4 में पर्यावरण, 3 में जेंडर समानता, 5 में सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक, 6 में नैतिक/शांति एवं 12 में सामाजिक मूल्यों का समावेश है।
- राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 6 में मूल्य की बारंबारता का प्रतिशत इस प्रकार है प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय 15.70%, न्याय 4.72%, स्वतंत्रता 1.57%, समानता 10.23%, भ्रातृत्व 2.36%, वैज्ञानिक चिंतन 21.26%, पर्यावरण 2.36%, जेंडर समानता 3.93%, सांस्कृतिक/

सौंदर्यात्मक 27.56%, नैतिक/शांति 7.87% एवं सामाजिक 31.5%।

- राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 7 में मूल्य की बारंबारता का प्रतिशत इस प्रकार है प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय 6.99%, न्याय 8.39%, स्वतंत्रता 0.69%, समानता 9.09%, भ्रातृत्व 2.09%, वैज्ञानिक चिंतन 5.59%, पर्यावरण 13.98%, जेंडर समानता 7.69%, सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक 16.78%, नैतिक/शांति 10.49% एवं सामाजिक 18.18%।
- राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 8 में मूल्य की बारंबारता का प्रतिशत इस प्रकार है प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय 16.03%, न्याय 22.90%, स्वतंत्रता 1.53%, समानता 6.10%, भ्रातृत्व 2.29%, वैज्ञानिक चिंतन 2.29%, पर्यावरण 8.39%, जेंडर समानता 5.34%, सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक 8.39%, नैतिक/शांति 9.16% एवं सामाजिक 16.55%।

उच्च प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यों के संदर्भ में सकल मूल्यांकन

- कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक, वैज्ञानिक चिंतन, प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय मूल्यों का उच्च मात्र में; न्याय, समानता, नैतिक/शांति मूल्यों का औसत मात्रा में व स्वतंत्रता, भ्रातृत्व, पर्यावरण, जेंडर समानता, सामाजिक मूल्यों का निम्न मात्रा में समावेश पाया गया।
- कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में पर्यावरण, सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक, सामाजिक मूल्यों का उच्च मात्रा में; प्रजातंत्र/राष्ट्रीय, न्याय, समानता, जेंडर समानता, नैतिक/शांति, वैज्ञानिक चिंतन मूल्यों का औसत मात्रा में; व स्वतंत्रता, भ्रातृत्व मूल्यों का निम्न मात्रा में समावेश पाया गया।
- कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु में प्रजातांत्रिक/राष्ट्रीय, न्याय, सामाजिक मूल्यों का उच्च मात्रा में; समानता, पर्यावरण, जेंडर समानता, सांस्कृतिक/सौंदर्यात्मक, नैतिक/शांति आदि मूल्यों का औसत मात्रा में; व स्वतंत्रता, भ्रातृत्व, वैज्ञानिक चिंतन आदि मूल्यों का निम्न मात्रा में समावेश पाया गया।

अत: *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* में प्रस्तावित राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों में मूल्य समाहित हैं।

संदर्भ

अनिल कुमार, पी.एम. और टी.सी. आइशाबी. 2008. *स्टूडेंट-एवेयरनेस ऑफ़ वैल्यूज़ इन द कंटेंट ऑफ़ सेकेंडरी लेवल इंग्लिश एजुट्रैक्स*. अप्रैल 7 (8) पृ. 31.

अवस्थी, ओ.एम. 2000. करिकुलम डवलपमेंट इश्यू एंड कंसर्न्स. *जर्नल ऑफ़ इंडियन एजुकेशन*. 25 (4). पृ. 115 –124.

गुप्ता, मधु, पूजा पसरिजा और कृष्ण कुमार बंसल. 2012. ए स्टडी ऑफ़ कंटेंपोरेरी वैल्यूज़ मैनिफ़ेस्टेड इन स्कूल टीचर्स इन रिलेशन टू देयर लोकैलिटी एंड क्वालिफ़िकेशंस. *जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल एंड साइकोलॉजिकल रिसर्च*. जनवरी. अंक 2 (1). पृ. 62-68.

पांड्या, आर.एस. 2010. *एजुकेशनल रिसर्च.* एपीएच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, नयी दिल्ली.

बेरेल्सन, बी. 1952. *कंटेंट एनालिसिस इन कम्यूनिकेशन रिसर्च*. ग्लेंको, III. फ्री प्रेस.

भागर्वी. 1990. *वैल्यू आइडेंटीफ़िकेशन इन XI स्टैंडर्ड इंग्लिश प्रोज़ एंड वैल्यू ओरिएंटेशन ऑफ़ IX स्टैंडर्ड स्टूडेंट.* अनपब्लिश्ड एम. एड. डिज़र्टेशन. मद्रास यूनिवर्सिटी, मद्रास.

राज गोपाल, टी. 1989. *आइडेंटिफ़िकेशन ऑफ़ वैल्यूज़ इन XII स्टैंडर्ड तमिल टेक्स्ट बुक्स एंड वैल्यू ओरिएंटेशन ऑफ़ XII स्टैंडर्ड स्टूडेंट*. अनपब्लिश्ड एम. फ़िल. डिज़र्टेशन. अलागापा यूनिवर्सिटी.

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की *सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक*. कक्षा 6, 7 एवं 8. 2014-2015.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005. एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली.

वर्मा, जी.एस. 2006. *मूल्य शिक्षा पर्यावरण एवं मानवाधिकार*. इंटरनेशनल पब्लिशिंग, मेरठ.

शर्मा, आर.ए. 2006. *सामाजिक विज्ञान शिक्षण*. आर. लाल बुक डिपो, मेरठ.

शर्मा, आर.पी. और एम. शर्मा. 2011. *वैल्यू एजुकेशन एंड प्रोफ़ेशनल एथिक्स*. कनिष्का पब्लिशर्स, नयी दिल्ली.

शर्मा, एन. 2011. *वैल्यू एजुकेशन एंड सोशल ट्रांसफ़ॉर्मेशन*. रावत पब्लिकेशन, जयपुर.

शर्मा, एस.पी. 2011. *टीचिंग ऑफ़ सोशल स्टडीज़ – प्रिंसिपल्स, अप्रोचिज़ एंड प्रैक्टिस*. कनिष्का पब्लिशर्स, नयी दिल्ली.

सिन्हा, साधना. 2008. *माध्यमिक स्तर के भाषा एवं सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रमों में मूल्य-आधारित विषय-वस्तु का विश्लेषण* (पीएच.डी.). राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर.

हॉल्स्टी, ओ. आर. 1969. *कंटेंट एनालिसिस फ़ॉर दी सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज़*. रीडिंग, एमए – एडिशन – विस्ले.

त्रिवेदी, आर.एन. और डी.पी. शुक्ला. 2012. *रिसर्च मैथडोलॉजी*. कॉलेज बुक डिपो, जयपुर.